BREAKING NEWS

CURRENT AFFAIRS

UPSC-CSE

23 OCTOBER 2024

Abhay Sir

टॉपिक 1:- कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग

टॉपिक 2:- वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2024”

टॉपिक 3:- *भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय।*

टॉपिक 4:- *आर्थिक स्वतंत्रता रिपोर्ट, 2024*

कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग

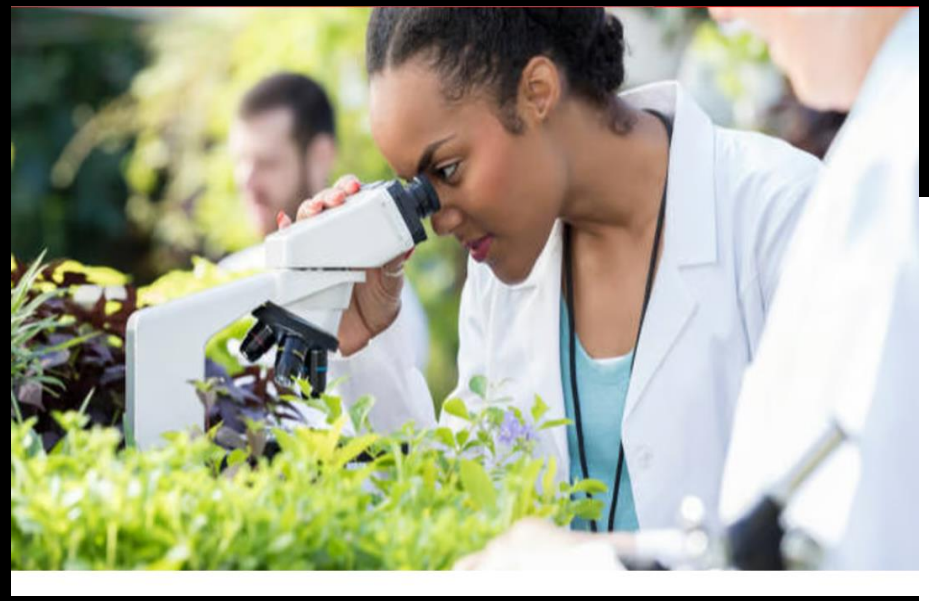

कृषि

कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का आगमन: समाधान एवं चुनौतियां

कृषि कार्यों में सही तरीके से एआई का इस्तेमाल करके किसानों के लिए फायदेमंद बनाया जा सकता है

Source :– Down to Earth

- मानव सभ्यता के कुछ समय बाद ही कृषि प्रारंभ हो गई थी।
- जैसे जैसे मानव विकसित होता गया कृषि पद्धतियां भी वैसे-वैसे विकसित होती गई।
- आरंभ में कृषि जीविकोपार्जन के लिए की जाती थी फिर यह व्यावसायिक हो गई ।
- समय के साथ सरकार के द्वारा भी कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने की बात की गई तथा किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया गया।
- इसी दिशा में एआई आधारित टेक्नोलॉजी को विकसित किया जा रहा है।

कितना महत्वपूर्ण है कृषि क्षेत्र:–

- यह भारत की अर्थव्यवस्था का एक मुख्य स्तंभ है
- यह क्षेत्र राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 15 से 18% का योगदान करती है।
- वर्तमान का युग तकनीक का युग है जिसके तहत सबसे नवीन टेक्नोलॉजी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की है।
- कृषि क्षेत्र भी गहन तकनीकी परिवर्तन से गुजर रहा है।
- अब इस परिवर्तन के युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रयोग कृषि क्षेत्र में भी देखने को मिलेगा।

- यह तकनीक कृषि में क्रांति ला सकती है।

कृषि क्षेत्र में कैसे उपयोगी हो सकती है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस:–

- 1. फसल पर पड़ने वाले जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम कर के
- 2.पौधों की बीमारी के त्वरित निदान खोज कर
- 3.कृषि रसायनों के कुशल अनुप्रयोग करके
- 4. कृषि क्षेत्र में रोजगार के मुद्दों को खोज कर
- 5.खाद्य सुरक्षा जैसी समस्याओं को हल करके
- 6.मौसम और मिट्टी की उर्वरता का पता लगा सकते हैं।

- तकनीक के साथ कृषि को मिलाने से इसकी उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ेगी।
- 21वीं सदी की परिवर्तनकारी तकनीक से एआई, दुनिया भर में किसानों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों का समाधान कर रहा है।
- कृषि और संबद्ध क्षेत्र, भारत की वार्षिक विकास दर को 8-10% हासिल करने और बनाए रखने के लिए, कृषि क्षेत्र को निरंतर 4% या उससे अधिक दर से बढ़ना होगा।

- केंद्र सरकार ने किसने की सहायता के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तहत निम्नलिखित उपकरणों का आविष्कार किया है :–

- 1. फसल उपज भविष्यवाणी मॉडल
- 2. स्मार्ट खेती के लिए एआई सेंसर
- 3.कृषि 24/7
- 4.फसल और मिट्टी के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए ड्रोन
- 5. किसान ई मित्र।

कृषि में एआई के उपयोग :–

- 1.परिशुद्ध कृषि
- 2.रोग का पता लगाना और कीट प्रबंधन
- 3.फसल निगरानी और प्रबंधन
- 4.पूर्वानुमानित विश्लेषण
- 5.पशुधन निगरानी और प्रबंधन

वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2024”

विकास

दुनिया में 110 करोड़ लोग हैं बहुआयामी गरीबी के शिकार, भारत में हैं सबसे अधिक

संयुक्त राष्ट्र के “वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2024” में कहा गया है कि हिंसक संघर्ष के कारण दुनिया में बहुआयामी गरीबी बढ़ रही है

Source:– DOWN TO EARTH

- वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2024” को संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी किया गया है

- रिपोर्ट में कहा गया है की भारत में सबसे अधिक गरीब रहते हैं।

रिपोर्ट ले उल्लिखित महत्वपूर्ण बातें :–

- बहुआयामी गरीबी में जीवन काटने वाले पूरी दुनिया में 110 करोड़ लोग हैं

- जिनमें भारतीयों की संख्या 23.4 करोड़ हैं।

- भारत में वैश्विक जनसंख्या जो बहुआयामी गरीबी से जूझ रही है उसका 21 फीसदी है।

- रिपोर्ट में अन्य देश :– बहुआयामी गरीबी से जूझ रहे अन्य देशों में

- डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में 6.6 करोड़ लोग, नाइजीरिया में 7.4 करोड़, इथियोपिया में 8.6 करोड़, पाकिस्तान में यह आंकड़ा 9.3 करोड़ है

- इन 5 देशों में ही बहुआयामी गरीब जनसंख्या का 48.1 फीसदी है।

- रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि दुनिया में बहुआयामी गरीबी में जीवन गुजारने वालों में करीब 50% बच्चे हैं।
- जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम है। यह दुनिया में कुल बच्चों का करीब 28 फीसदी है।

- वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक से संबंधित यह नवीनतम डाटा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) द्वारा जारी किया गया है।

- इस इंडेक्स में 112 देशों से जुड़े आंकड़ों को शामिल किया गया है।

- बहुआयामी गरीबी के सबसे ज्यादा शिकार (83.2 फीसदी) दक्षिण एशिया और उप-सहारा अफ्रीका में हैं।

- उप-सहारा अफ्रीका में जहां 55.3 करोड़ लोग गरीबी से जूझ रहे हैं।

- वहीं दक्षिण एशिया में यह संख्या 40.2 करोड़ दर्ज की गई है।
- गरीबी से जूझ रही इस आबादी में से करीब दो-तिहाई (65.2 फीसदी) लोग मध्यम आय वाले देशों से हैं।
- इनकी कुल संख्या 74.9 करोड़ आंकी गई है।
- बहुआयामी गरीबी से जूझ रहे लोगों में से करीब 83.7 फीसदी (96.2 करोड़ लोग) ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे हैं।
- वैश्विक स्तर पर, ग्रामीण आबादी का 28 फीसदी हिस्सा गरीबी की मार झेल रहा है, जबकि शहरी आबादी में यह आंकड़ा 6.6 फीसदी है।

बहुआयामी गरीब का निर्धारण :–

- इस रिपोर्ट में मुख्य रूप से तीन प्रमुख आयामों को शामिल किया गया है :– पोषण, शिक्षा और जीवन स्तर।

- किन किन पहलुओं पर ध्यान दिया गया :– पोषण, शिशु व वयस्क मृत्युदर, मातृत्व स्वास्थ्य, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में हाजिरी, खाना पकाने के ईंधन, स्वच्छता, पेयजल, आवास, बिजली, और संपत्ति जैसे पहलुओं पर।

- जब कोई भी परिवार इन संकेतकों में से एक-तिहाई या अधिक से वंचित है, तो उसे बहुआयामी गरीब मान लिया जाता है।

- बहुआयामी गरीबी जी रहे यह लोग बुनियादी सेवाओं से भी वंचित है। 82.8 करोड़ लोग साफ-सफाई और स्वच्छता में कमी से, 88.6 करोड़ लोग उचित आवास नहीं होने से, तो 99.8 करोड़ लोग खाना पकाने के लिए पर्याप्त सुविधा नहीं होने से।

जहां संघर्ष, वहां अधिक गरीब :–

- बेहद गरीबी का सामना करने वाली आबादी में से करीब 40 फीसदी (45.5 करोड़) ऐसे देशों में निवास करते हैं, जहां हिंसक संघर्ष जारी हैं।

- रिपोर्ट बताया गया की दूसरे विश्व युद्ध के बाद वर्ष 2023 में सबसे अधिक संघर्ष की घटनाएं सामने आई हैं।

- जिस कारण 11.7 करोड़ से अधिक लोगों को विस्थापन की पीड़ा झेलनी पड़ी।

नीति आयोग और राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक :–

- 2015-16 से 2019-21 के बीच भारत में रिकॉर्ड 13.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले।

- देश में 2005-06 के दौरान बहुआयामी गरीबी 55.3 प्रतिशत थी जो 2013-2014 में 29.2 फीसदी हो गई।

- अगले दस वर्षों यानी 2022-2023 में यह घटकर 11.3 फीसदी रह गई है।

क्या अब खत्म होगी अमेरिका की दादा गिरी

- क्या अब पुतिन कर देंगे अमेरिका की दादागिरी को खत्म।

Us का वर्चस्व किन क्षेत्रों में है :–

- 1.पूरी दुनिया अमेरिकी डॉलर में व्यापार करती है
- 2.अमेरिकी रक्षा उत्पादन सबसे अच्छे किस्म की माने जाते हैं
- 3.एक मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर हब अमेरिका है
- 4.कई मल्टीनेशनल कंपनियां अमेरिका से संबंधित है

- रूस में ब्रिक्स के 16वें वार्षिक शिखर सम्मेलन का आयोजन 22 व 23 अक्टूबर को किया जा रहा है।

- इस बार आयोजन :– रूस के तातारस्तान के कजान में

रूस कैसे तोड़ेगा US डॉलर का वर्चस्व :–

- रूस अपने सहयोगियों के साथ मिलकर डिजिटल मुद्रा के उपयोग को बढ़ाना चाहता है

- रूस की मेजबानी में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन में पुतिन ब्रिक्स मुद्रा जैसी योजना प्रस्तुत करना चाहते है।

- साथ ही रूस 10 देशों के साथ डिजिटल मुद्रा के उपयोग की संभावना तलाश रहा है
- जिसके लिए उनका देश भारत और अन्य देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है।
- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को खत्म करने के लिए राष्ट्रीय डिजिटल मुद्राओं के इस्तेमाल पर जोर दिया।

Result Mitra

क्या रूस चाहता है वैश्विक वित्तीय प्रणाली को दरकिनार करना :–

- अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने फरवरी 2022 में यूक्रेन के साथ शुरू हुए संघर्ष के बाद रूस पर व्यापक से प्रतिबंध लगाने प्रारंभ कर दिए।

- रूस की योजना :– ब्रिक्स केंद्रीय बैंकों के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े वाणिज्यिक बैंकों के नेटवर्क पर आधारित एक नई भुगतान प्रणाली बनाना जिससे वैश्विक वित्तीय प्रणाली को दरकिनार किया जा सके।

- ***ब्रिक्स मेंबर्स :–*** **Brazil, Russia, India,China, South Africa, Iran, Saudi Arabia, Egypt, Ethiopia and United Arab Emirates.**

पुतिन क्यों लाना चाहते है भारत को पास :–

- **हाल ही में SCO का आयोजन पाकिस्तान में किया गया था जिसमें भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भाग लिया था जबकि अन्य देशों के या तो प्रधानमंत्री या उप प्रधानमंत्री इस सम्मेलन में शामिल हुए थे**

भारत SCO से अपनी दूरियों को बढ़ा रहा है क्योंकि

- ***2024 SCO summit -*** **Russia, China ,India ,Pakistan ,Kazakhstan ,Kyrgyzstan , Tajikistan, Belarus.**

क्यों कर रहे पुतिन भारतीय फिल्मों की तारीफ :–

- पुतिन ने हिंदी फिल्मों की तारीफ की
- कहा कि भारतीय फिल्में रूस में काफी लोकप्रिय हैं।

- हमारे पास एक समर्पित टीवी चैनल भी है जो चौबीसों घंटे भारतीय फिल्में प्रसारित करता है।
- पुतिन ने कहा कि रूस में भारतीय फिल्म काफी लोकप्रिय हैं।
- पुतिन ने रूस में भारतीय सिनेमा को बढ़ावा देने और रूस और भारत के बीच सांस्कृतिक संबंधों पर भी प्रकाश डाला।

ASIA
AFRICA
CARLSBERG RIDGE
AUSTRALIA
ATLANTIC OCEAN
INDIAN OCEAN
SOUTHERN OCEAN
ANTARCTICA
0 2,000 4,000 mi
0 2,000 4,000 km

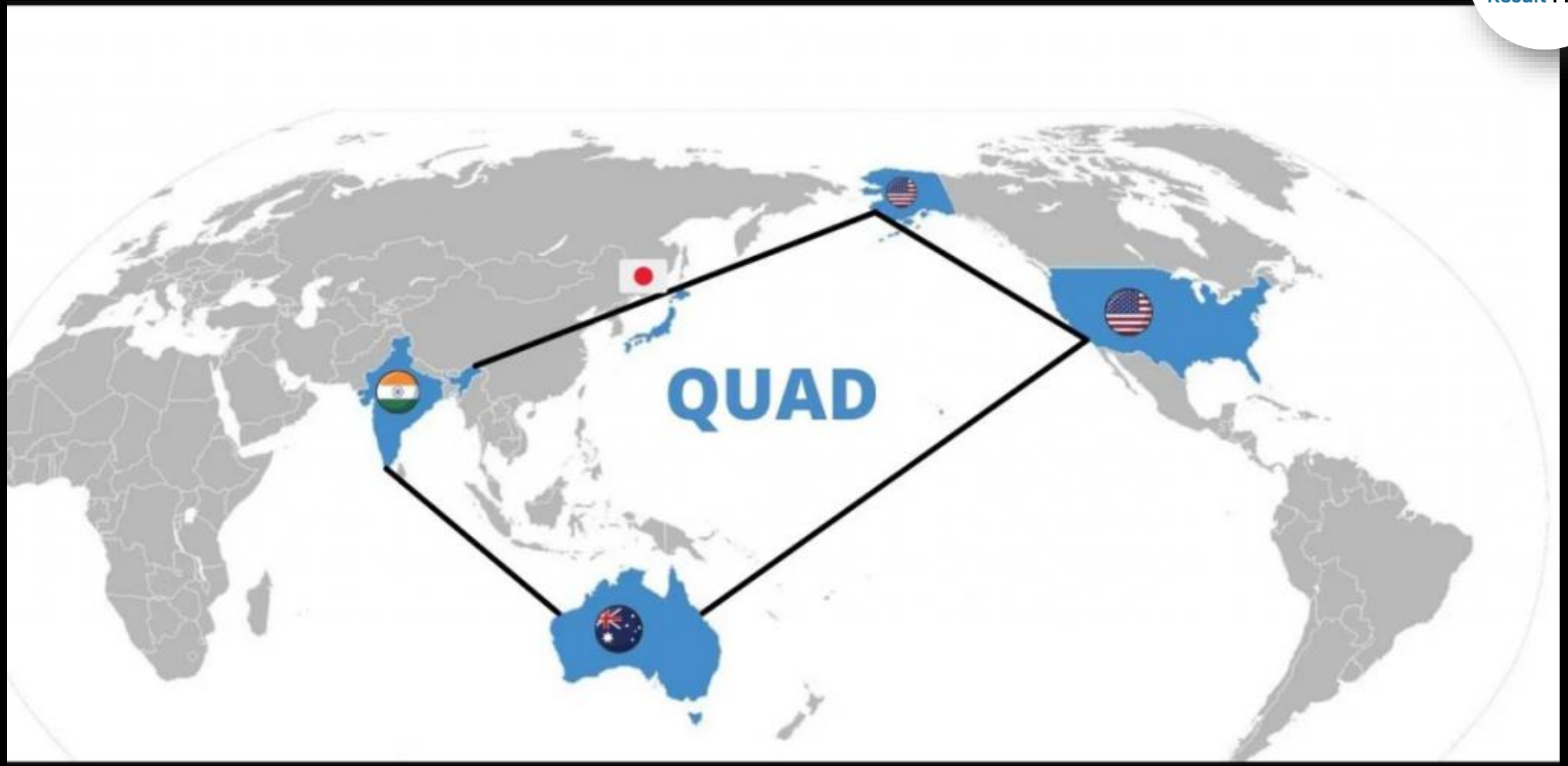

QUAD

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय।

- यह निर्णय विवादित वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर गश्ती संबंधी व्यवस्था को ले कर किया गया है।

- समझौते का उद्देश्य :– पिछले वर्षों में उत्पन्न हुए दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को काम करना और उसका समाधान करना।

- किन क्षेत्रों को लेकर समझौता :– पूर्वी लद्दाख से लगने वाली भारत-चीन पश्चिमी सीमा के क्षेत्र।

Result Mitra

भारत-चीन सीमा :–

- भारत चीन के साथ 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है. ये सीमा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश से होकर गुज़रती है.

- लंबी सीमा स्पष्ट रूप से सीमांकित नहीं है।

- जबकि कई क्षेत्र ऐसे हैं जिनको लेकर अभी तक कोई भी स्पष्ट सीमांकन नहीं किया गया है।

Result Mitra

भारत-चीन सीमा मुख्य रूप से तीन भागों में विभाजित है :–

- **पश्चिमी क्षेल (लद्दाख) :–** यह क्षेत्र जॉनसन लाइन से संबंधित है।
- इस रेखा को 1860 के दशक में ब्रिटिश सरकार द्वारा खींचा गया था
- भारत इस रेखा को ही वास्तविक रेखा मानता है
- जिसमें अक्साई चिन भारतीय क्षेत्र में शामिल है।

- जबकि चीन मैककार्टनी-मैकडोनाल्ड रेखा को सीमा मानता है।
- **मध्य क्षेत्र:** – हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड
- **पूर्वी क्षेत्र** :– अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम
- इस क्षेत्र में ही मैकमहोन रेखा है जिसे LAC माना जाता है,
- इस रेखा को 1914 के शिमला सम्मेलन के दौरान निर्धारित किया गया था।

- चीन मैकमहोन रेखा को नहीं मानता और पूरे भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश को तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र का हिस्सा मानते हुए उसे पर अपना दावा करता है।

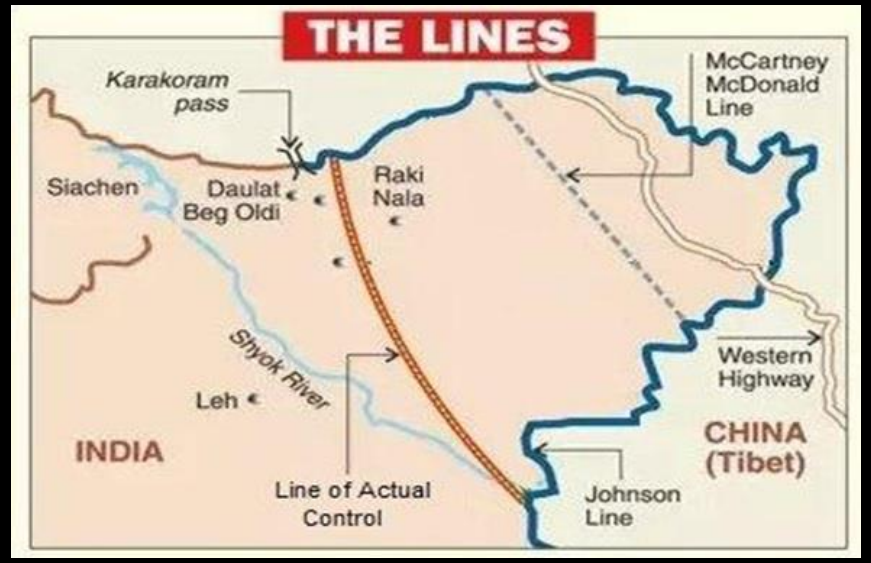

आर्थिक स्वतंत्रता रिपोर्ट, 2024

Result Mitra

- किसने जारी की :– फ्रेजर इंस्टीट्यूट ने

आर्थिक स्वतंत्रता रिपोर्ट, 2024 :–

- इस रिपोर्ट में 165 देशों को रैंक प्रदान की जाती है

- रैंक देने का आधार :– रिपोर्ट से संबंधित देश किस हद तक नीतियां और संस्थान लोगों को अपने आर्थिक विकल्प (Economic choice) चुनने की अनुमति देते हैं।

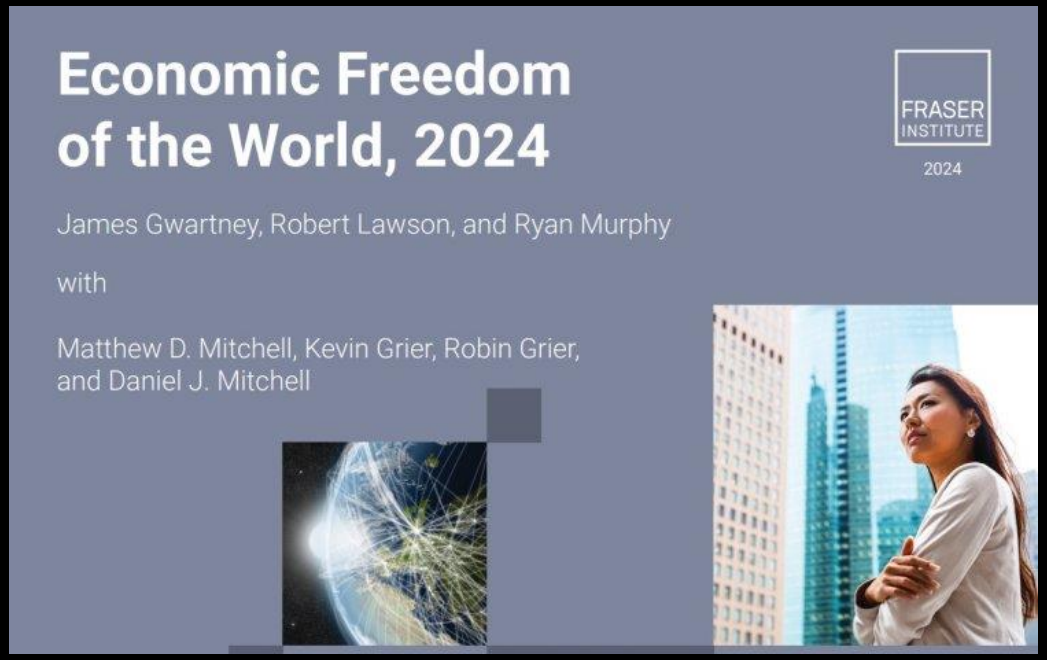

- 165 देशों में से सूचकांक में भारत को 84वा स्थान प्राप्त हुआ।
- इस सूचकांक को तैयार करने के लिए पांच क्षेत्र के व्यापक डाटा को सम्मिलित किया जाता है

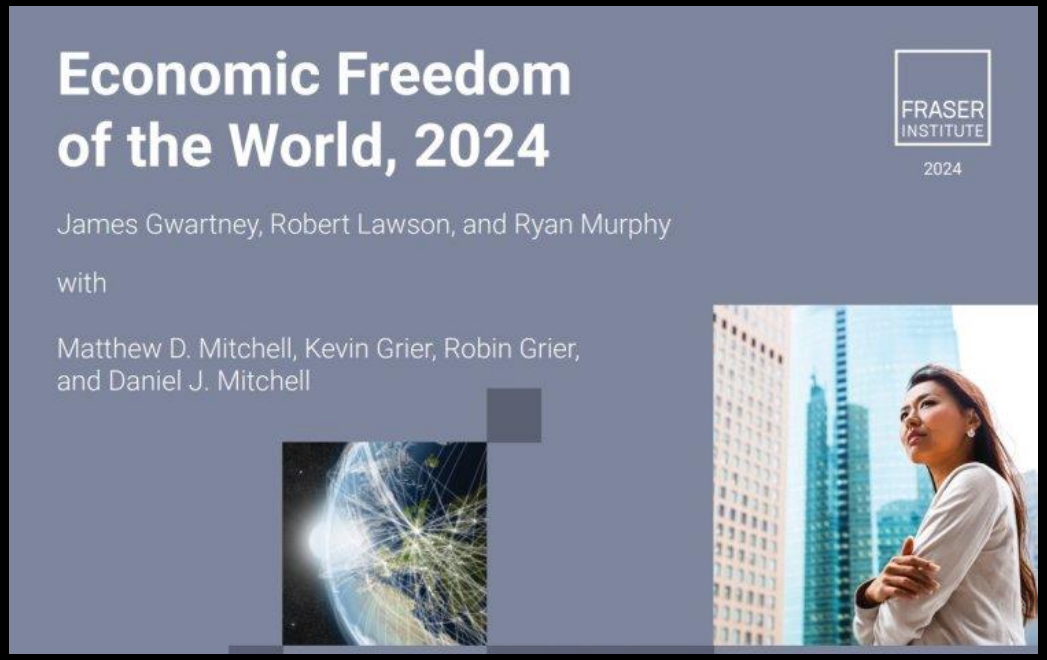

THANK YOU

@resultmitra / 8650457000

@resultmitra

@resultmitra

Result Mitra

+ SUBSCRIBE

LIKE & SHARE

PDF